देवदूत बनी घट्टिया पुलिस, मौत को मात देकर पति-पत्नी को फंदे से सुरक्षित उतारा

▸ नजरपुर में पारिवारिक विवाद के चलते पति-पत्नी ने किया फांसी लगाने का प्रयास

घट्टिया। जाको राखे साइयां, मार सके न कोय—यह कहावत ग्राम नजरपुर में उस समय चरितार्थ हो गई जब मौत और जिंदगी के बीच झूल रहे एक दंपत्ति के लिए घट्टिया थाना पुलिस फरिश्ता बनकर पहुंची। थाना प्रभारी की सूझबूझ और पुलिस टीम की तत्परता से आत्महत्या का प्रयास कर रहे दंपत्ति को समय रहते बचा लिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम नजरपुर निवासी आसिफ पिता शफीक अहमद पटेल और उसकी पत्नी रीना पटेल अपने पिता शफीक पटेल से घरेलू झगड़े और प्रताड़ना से काफी समय से परेशान थे। मानसिक तनाव और पारिवारिक विवाद के चलते दंपत्ति ने खौफनाक कदम उठाने का फैसला किया। आसिफ ने आत्महत्या करने से पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म वॉट्सएप पर स्टेटस डाला, जिसमें उसने अपने परिवार से परेशान होकर जीवन में कुछ नहीं बचना बताया।

थाना प्रभारी की सूझबूझ से बची जान: विवादित मैसेज की जानकारी घट्टिया थाना प्रभारी करण खोवाल को मिली, उन्होंने बिना एक पल की देरी किए अपनी टीम के साथ नजरपुर पेट्रोलिंग को रवाना हुए मौके पर पहुंचने पर घर का दरवाजा अंदर से बंद मिला। खिड़की से झांकने पर पुलिस के होश उड़ गए; दोनों पति-पत्नी फांसी की रस्सी गले में डाले हुए थे। थाना प्रभारी करण खोवाल ने मौके पर धैर्य दिखाते हुए दंपत्ति का ध्यान भटकाने के लिए उनसे बाहर से बातचीत जारी रखी। ताकि वे विचलित न हों इसी बीच थाना प्रभारी द्वारा पुलिस टीम को गुप्त रूप से दूसरे दरवाजे से अंदर घुसने का इशारा किया गया। पुलिस ने फूर्ति दिखाते हुए दरवाजा तोड़ा और फंदे पर झूल रहे आसिफ और रीना को तत्काल नीचे उतारा। गनीमत रही कि उस समय दोनों की सांसें चल रही थीं। पुलिस ने उन्हें संभाला और तुरंत शासकीय अस्पताल घट्टिया में भर्ती कराया। समय पर इलाज मिलने से अब दोनों खतरे से बाहर हैं। होश में आने के बाद दंपत्ति ने अपने पिता शफीक द्वारा प्रताड़ित किए जाने की बात दोहराई है और उसी से तंग होकर फांसी का कदम उठाना बताया। थाना प्रभारी ने उन्हें समझा-बुझाकर ढांढस बंधाया और मामले की निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया। पूरे मामले में थाना प्रभारी करण खोवाल, उपनिरीक्षक अलकेश डांगे (बीट नजरपुर), प्रधान आरक्षक राजेंद्र राठौर की सराहनीय भूमिका रही। आज के दौर में जहां पुलिस को अक्सर आलोचनाओं का सामना करना पड़ता है। वहीं थाना प्रभारी करण खोवाल और उनकी टीम ने अपनी कर्त्तव्यनिष्ठा से यह सिद्ध कर दिया कि पुलिस समाज की रक्षक है। उनकी इस सजगता की पूरे क्षेत्र में सराहना हो रही है।

नामांतरण शुल्क में की मनमानी वृद्धि पर अधिक्ताओं ने आपत्ति दर्ज करवाई

महिदपुर। नगर पालिका परिषद महिदपुर के द्वारा विगत दिनों संपत्तियों के नामांतरण शुल्क 2000 को संशोधित कर न्यूनतम 4,000 रुपये एवं रजिस्ट्री मूल्यांकन का 1 प्रतिशत करने के संबंध में प्रस्ताव पारित किया था, जो कि मनमाना और अवैधानिक है। नगर की जनता विक्रय पत्र करवाते समय नगर पालिका मद में 3 प्रतिशत स्टॉम्प ड्युटी प्रदान करती है, इसके अतिरिक्त रजिस्ट्री मूल्यांकन का 1 प्रतिशत अतिरिक्त नामांतरण शुल्क नगर की जनता पर अधिरोपित करना अवैध है। उक्त संबंध में अधिवक्तागण के द्वारा मुख्य नगर पालिका अधिकारी राजा यादव को लिखित आपत्ति प्रस्तुत की है। उक्त समय पूर्व अधिवक्ता संघ अध्यक्ष सुरेश छजलानी, पूर्व अभिभाषक संघ सचिव दीपक लश्करी, अभिभाषक संघ सचिव शंकरसिंह तोमर, पूर्व अधिवक्ता संघ सचिव भगवतीप्रसाद पुरोहित, संतोष पांचाल, पूर्व अधिवक्ता संघ सहसचिव अमित लश्करी, दिनेश राठौर तथा वरिष्ठ पत्रकार शांतिलाल छजलानी उपस्थित थे।

एक नजर में

प्रभारी के पद पर संदीप दावरे को नियुक्त किया

खाचरौद। नगर के वाल्मीकि समाज के युवा संदीप दावरे को वाल्मीकि सेना (मार्शल कौम) संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष कल्याणे की सहमति से संगठन के म प्र के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी राजेश धौलपुरे के निर्देशानुसार मप्र के प्रदेश महामंत्री लखन गौहर की अनुशंसा पर उज्जैन संभाग अध्यक्ष विरेन्द्र गौसर द्वारा वाल्मीकि सेना (मार्शल कौम) संगठन में उज्जैन संभाग के मीडिया प्रभारी पद पर नियुक्त किया गया।

महाविद्यालय में नारी शक्ति वंदन तथा जल गंगा संवर्धन अभियान पर व्याख्यान आयोजित

घट्टिया। स्व. नागूलाल मालवीय शासकीय महाविद्यालय में नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा तथा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत प्राचार्य डॉ. पुलकिता आनंद की अध्यक्षता में विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. प्रशांत पुराणिक थे। उद्बोधन में प्राचार्य ने अतिथि स्वागत तथा कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी विद्यार्थियों को प्रदान की। डॉ. श्वेता भला ने अतिथि परिचय दिया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. प्रशांत पुराणिक ने नारी शक्ति वंदन तथा जल गंगा संवर्धन अभियान की जानकारी देते हुए भारतीय इतिहास में महिलाओं की भूमिका तथा अधिकारों के बारे में अवगत कराया तथा अन्न एवं जल संरक्षण एवं संवर्धन पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों को अन्न एवं जल के समुचित उपयोग के लिए प्रेरित किया तथा विद्यार्थियों को जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरक्षण की शपथ दिलवाई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रियंका गुप्ता ने किया तथा आभार डॉ. ज्योति दातीर ने माना। कार्यक्रम में सुनील गुजराती, डॉ. दयाराम मुझाल्दा, डॉ. रेखा सोलंकी, पूजा लोधी आईटीआई प्रभारी सहित समस्त स्टाफ तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

27 को खाद-बीज बाजार बंद, देशभर के व्यापारी करेंगे सांकेतिक हड़ताल

महिदपुर। खाद, बीज और कीटनाशक व्यापारियों के राष्ट्रीय संगठन के आहवान पर 27 अप्रैल को देशभर में कृषि आदान व्यापारी एक दिन की सांकेतिक हड़ताल पर रहेंगे। इस दौरान खाद-बीज की दुकानों को बंद रखकर तहसील, विकासखंड और जिला मुख्यालयों पर जुलूस निकालते हुए प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपे जाएंगे। संगठन के नरेश पालीवाल ने बताया कि व्यापारियों की समस्याओं को लेकर लंबे समय से राज्य और केंद्र सरकार के स्तर पर बातचीत की जा रही है, लेकिन अब तक ठोस समाधान नहीं निकल पाया है। इसी के विरोध में महाराष्ट्र राज्य संगठन (माफड़ा) ने 27 अप्रैल से अनिश्चितकालीन बंद का ऐलान किया है, जिसके समर्थन में अन्य राज्यों में एक दिन की प्रतीकात्मक हड़ताल की जा रही है। राष्ट्रीय प्रवक्ता संजय रघुवंशी के अनुसार प्रमुख मांगों में उर्वरकों पर डीलर मार्जिन को वर्तमान डेढ़ प्रतिशत से बढ़ाकर न्यूनतम 8 प्रतिशत करने, रिटेलर के गोदाम तक उर्वरकों की आपूर्ति (एफओआर) सुनिश्चित करने, सैंपल फेल होने पर निर्माता कंपनियों पर कार्रवाई और व्यापारी को गवाह के रूप में शामिल करने जैसी मांगें शामिल है।

छह स्वास्थ्य शिविरों में पहुंचे 6700 अग्रवाल बंधु

इंदौर. अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति, बालाजी सेवार्थ विनोद अग्रवाल फाउंडेशन एवं हेल्थ फॉर भारत फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में श्रीमती नीनादेवी अग्रवाल की पुण्य स्मृति में चलाए जा रहे स्वास्थ्य परीक्षण अभियान के अंतर्गत छठें स्वास्थ्य परीक्षण एवं निशुल्क जांच शिविर का आयोजन एयरपोर्ट रोड स्थित बाबाश्री रिसोर्ट पर सम्पन्न हुआ जिसमें दूसरे दिन 541 समाज बंधुओं ने शामिल होकर अपनी विभिन्न प्रकार की 32 जांचे कराई. इसके पूर्व पहले दिन 560 लोगों ने इस शिविर का लाभ उठाया. इस तरह कुल 1101 समाज बंधुओं ने इस शिविर में पहुंचकर मधुमेह एवं मोटापे से मुक्ति के अभियान का पहला चरण पार कर लिया. अब तक आयोजित हुए छः शिविरों में कुल मिलाकर 6701 लोगों ने अपनी प्रारम्भिक जांचे कराई है. अगला शिविर 25-26 अप्रैल को सुबह 8 से दोपहर 2 बजे तक गीता भवन प्रांगण में आयोजित होगा. शिविर के समापन अवसर पर हेल्थ फॉर इंडिया के 20 डॉक्टर्स की टीम का सम्मान भी किया गया. शिविर संयोजक किशोर गोयल, जगदीश बाबाश्री एवं नितिन अग्रवाल ने बताया कि अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति के अध्यक्ष प्रेमचंद गोयल एवं बालाजी सेवार्थ विनोद अग्रवाल फाउंडेशन के प्रमुख विनोद अग्रवाल के मार्गदर्शन में अब तक शहर में विभिन्न स्थानों पर 5 बड़े शिविरों का आयोजन हो चुका है जिनमें करीब 5600 समाज बंधुओं ने अपनी जांचे कराई हैं। बाबाश्री रिसोर्ट पर आयोजित दो दिवसीय शिविर में 1101 लोगों ने लाभ उठाया। इस तरह अब तक 6701 लोग इन शिविरों से लाभान्वित हो चुके हैं.

राष्ट्रीय सीएसआर कॉनक्लेव का आयोजन कल

इंदौर. संस्था सत्या द्वारा आगामी 25 अप्रैल को राष्ट्रीय सीएसआर कांकलेव का आयोजन होटल सयाजी में करने जा रही है. इस आयोजन में देशभर के शिक्षाविद, कार्पोरेट्स, हेल्थ एक्सपर्ट और शोधार्थी छात्र शामिल होंगे. यह जानकारी संस्था सत्या की रंजना सहगल ने दी. उन्होंने बताया कि कांकलेव का विषय मानसिक स्वास्थ्य, जीवन शैली संबंधी विकार और निवारक् आंकोलॉजी है. यह कानक्लेव एक ऐसे भविष्य की परिकल्पना करता है जहाँ स्वास्थ्य सेवा की जिम्मेदारी दान से परे जाकर मानव कल्याण में एक रण नीतक निवेश बन जाए, जिससे आधुनिक चिकित्सा विज्ञान को भारत के पारम्परिक स्वास्थय ज्ञान के साथ मिलाकर सभी के लिए स्थायी और निवारक स्वास्थ्य सेवा बन सके.

डॉक्टर्स गॉट टैलेंट में आज गूंजेंगे सप्त सुर

उज्जैन। शहर के कालिदास संकुल स्थित बड़े हॉल में 25 अप्रैल की शाम 7 बजे से संगीतमय कार्यक्रम डॉक्टर्स गॉट टैलेंट का आयोजन किया जा रहा है। सप्त सुर परिवार म्यूजिकल ग्रुप के आयोजक, संयोजक एवं संस्थापक डॉ. पिंकेश डफरिया ने बताया कि इस आयोजन में आईएमए उज्जैन के चुनिंदा सुरीले चिकित्सक ऑल टाइम हिट्स गीतों पर अपनी विशेष प्रस्तुति देंगे। इस संगीतमय शाम में मुख्य रूप से डॉ. पिंकेश डफरिया, डॉ. सुशील गुप्ता, डॉ. रूपेश खत्री, डॉ. पराग शर्मा, डॉ. सम्राट घोष, डॉ. अनिल दुबे, डॉ. सुनील समरवाल, डॉ. दिनेश सिसौदिया, डॉ. चिन्मय, डॉ. मयंक गुप्ता, डॉ. प्रतीक तिवारी, डॉ. अनिल प्लोड़, डॉ. नन्नोरे, डॉ. मनीष सिद्धा, डॉ. अनुराधा पंचोली, डॉ. कीर्ति देशपाण्डे, डॉ. ऋचा शर्मा, डॉ. निवेदिता तिवारी, डॉ. सपना मंगल, डॉ. सपना शर्मा और डॉ. पूजा दाबोवाले अपनी स्वर लहरियां बिखेरेंगे। कार्यक्रम में सूत्रधार की भूमिका डॉ. अर्चना माहेश्वरी और डॉ. अंशु घोष निभाएंगी। वहीं, मंच प्रभारी का दायित्व जयेश भावसार संभालेंगे।

माहेश्वरी महिला संगठन का पद ग्रहण समारोह, मनीषा राठी बनीं जिलाध्यक्ष

उज्जैन। उज्जैन जिला माहेश्वरी महिला संगठन का कार्यकर्ता सम्मान एवं पद ग्रहण समारोह 22 अप्रैल को मौनी बाबा आश्रम गंगा घाट पर संपन्न हुआ। यह गरिमामय आयोजन श्री माहेश्वरी मेवाड़ा थोक पंचायत महिला मंडल एवं श्री लक्ष्मी नरसिंह मंदिर माहेश्वरी मारवाड़ी महिला मंडल के संयुक्त आतिथ्य में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। इसके पश्चात परी राठी ने महेश वंदना और समता लखोटिया ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। स्थानीय अध्यक्ष उषा भट्टर एवं निवर्तमान जिलाध्यक्ष सीमा मालपानी ने स्वागत उद्बोधन दिया। समारोह में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मध्यांचल नम्रता बियानी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। पश्चिमी मध्य प्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष उषा सोडानी ने शपथ अधिकारी के रूप में और नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष शोभा माहेश्वरी ने विशेष अतिथि के रूप में शिरकत की। इनके अतिरिक्त वीणा सोमानी, नवनिर्वाचित प्रदेश सचिव साधना बियानी, प्रदेश कोषाध्यक्ष किरण लखोटिया, उज्जैन जिला सभा अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण मूंदड़ा, श्री माहेश्वरी सभा उज्जैन अध्यक्ष कैलाश राठी, सचिव वीरेंद्र गट्टानी और निवर्तमान जिलाध्यक्ष राधा असावा की भी विशेष उपस्थिति रही।

शपथ अधिकारी उषा सोडानी ने नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष मनीषा राठी एवं उनकी टीम को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। उन्होंने नई टीम को दायित्व समझाते हुए त्याग, सेवा और समर्पण की भावना के साथ कर्तव्य निर्वहन का आग्रह किया। नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष मनीषा राठी ने अपने प्रथम उद्बोधन में सभी के सहयोग की अपेक्षा जताते हुए बाल संस्कार एवं महिला सशक्तिकरण के कार्यों को प्राथमिकता देने की बात कही।

तहसील अध्यक्षों व स्वागत समिति का हुआ सम्मान

इस अवसर पर निवर्तमान और नवनिर्वाचित तहसील अध्यक्षों का सम्मान किया गया। साथ ही अभिप्रेरणा 2024 मध्यांचल अधिवेशन के अतिथियों और स्वागत समिति को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में नागदा, तराना, महिदपुर, बड़नगर और खाचरौद से माहेश्वरी समाज की महिलाएं बड़ी संख्या में उपस्थित थीं। विशेष रूप से अनीता राठी नागदा, संतोष सोडानी, गीता तोतला, शांता मंडोवरा, संगीता भूतड़ा, अध्यक्ष संध्या हेड़ा, पुष्पा कोठारी और पुष्पा भलिका सहित जिले की लगभग 75 महिलाओं ने सहभागिता की। संचालन आरती सोडानी एवं किरण अटल ने किया। अंत में नवनिर्वाचित सचिव किरण डोडिया एवं वंदना जेथलिया ने आभार माना। सहभोज के साथ आयोजन का समापन हुआ।

रोटरी क्लब के सहयोग से मिली थी नई दिशा

▸ पुणे में स्थापित किया खुद का व्यवसाय, उज्जैन में हुआ सम्मान

उज्जैन। इंसान में अगर कुछ कर गुजरने की जिद और जुनून हो, तो परिस्थितियां कभी बाधा नहीं बनतीं। इस बात को सच साबित किया है उज्जैन के नागझिरी स्थित किशोर गृह में रहे अभिनव मल्होत्रा ने। कभी किशोर गृह में रहने वाला यह युवा आज पुणे में एक सफल व्यवसायी के रूप में अपना जीवन व्यतीत कर रहा है। हाल ही में उज्जैन आगमन पर रोटरी क्लब द्वारा आयोजित समारोह में उनका सम्मान किया गया।

रविप्रकाश लंगर के अनुसार अभिनव वर्ष 1998 में नागझिरी स्थित किशोर गृह में आए थे। उस समय वहां केवल 10वीं कक्षा तक की पढ़ाई की सुविधा थी, लेकिन अभिनव ने अपनी लगन और मेहनत से 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की। वर्ष 2002 में रोटरी क्लब उज्जैन ने किशोर गृह के ऐसे चार युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लिया, जिनकी उम्र निर्धारित सीमा से अधिक हो गई थी। इनमें अभिनव भी शामिल थे। शुरुआत में अभिनव ने एक पेट्रोल पंप पर कार्य किया। इसके बाद रोटरी क्लब के सहयोग से उन्हें इंडो जर्मन संस्था से एक वर्षीय ऑटो कैड का कोर्स करवाया गया। कोर्स पूरा होने के पश्चात उन्हें पुणे स्थित लोरियल कॉस्मेटिक कंपनी में नौकरी मिल गई। अपनी नौकरी के साथ-साथ वे बचे हुए समय में ऑटो कैड का काम भी करते रहे। कंपनी में चार साल काम करने के बाद अभिनव ने नक्शा बनाने और भवन निर्माण का अपना स्वतंत्र व्यवसाय शुरू किया। वर्तमान में अभिनव एक सफल बिल्डर और व्यवसायी के रूप में कार्यरत हैं और हाल ही में उन्होंने अपनी नई कार भी खरीदी है। वे अपनी मुंहबोली बहन अर्चना मिश्रा के 60वें जन्मदिन और सेवानिवृत्ति कार्यक्रम में शामिल होने सपरिवार उज्जैन आए हुए हैं। अभिनव जब भी उज्जैन आते हैं, तो किशोर गृह जाकर वहां के बच्चों को जीवन में सफल होने और देश के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित जरूर करते हैं। अभिनव वर्तमान में अपनी पत्नी मानसी और कक्षा 5वीं के छात्र पुत्र देवांश के साथ एक सुखी पारिवारिक जीवन बिता रहे हैं।

यह प्रेरक जानकारी रोटरी क्लब उज्जैन के अध्यक्ष ईश्वर चंद दुबे एवं सचिव उरशा हाशमी द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में दी गई। इस सम्मान कार्यक्रम में रोटरी क्लब के पूर्व अध्यक्ष जवाहर जैन, कृष्णराज पवार, मुकेश जौहरी, प्रफुल्ल यादव, सुरेश शर्मा, नलिनी लंगर, रवि प्रकाश लंगर और हरिहर शर्मा विशेष रूप से उपस्थित थे।

नागर ब्राह्मण समाज का सामूहिक विवाह 26 को

उज्जैन। मध्यप्रदेश नागर ब्राह्मण परिषद शाखा उज्जैन के तत्वावधान में रविवार 26 अप्रैल को नागर ब्राह्मण समाज का भव्य सामूहिक परिणयोत्सव आयोजित किया जाएगा। खाक चौक स्थित मंगल कलश गार्डन में होने वाले इस समारोह में समाज के 9 जोड़े वैदिक विधि-विधान से परिणय सूत्र में बंधेंगे। परिषद के अध्यक्ष विजय शर्मा एवं महासचिव संजय जोशी ने बताया कि कार्यक्रम दोपहर 2 बजे गणपति पूजन, मंडप स्थापना एवं गृह शांति के साथ प्रारंभ होगा। शाम 5 बजे चल समारोह निकाला जाएगा। गोधूलि बेला में मुख्य आचार्य पं. कैलाशचंद्र शुक्ल के सानिध्य में विवाह संस्कार संपन्न होंगे। शाम 7.30 बजे से स्नेहभोज रखा गया है, जिसके बाद रात 10 बजे विदाई के साथ आयोजन का समापन होगा। नवदंपतियों को गृहस्थ जीवन की सुखद शुरुआत के लिए आवश्यक सामग्री और उपहार भी प्रदान किए जाएंगे।

इन जोड़ों का होगा विवाह

समारोह में शुभम नागर-पूर्णिमा नागर, अतुल नागर-तनिषा नागर, हर्ष नागर-श्वेता नागर, ऋषि नागर-बुलबुल नागर, मयंक शर्मा-सोना नागर, गौतम नागर-मोना नागर, श्याम सुंदर नागर-आहुति नागर, अपूर्व शर्मा-मेघा मेहता एवं कृष्णकांत शर्मा-आशी व्यास विवाह बंधन में बंधेंगे। यह आयोजन पं. कमल किशोर नागर एवं पं. विजय शंकर मेहता के आशीर्वाद तथा श्री हाटकेश्वर धाम न्यास के विशेष सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इसमें नागर ब्राह्मण महिला परिषद, नागर ब्राह्मण युवक परिषद, हाटकेश्वर देवालय न्यास उर्दूपुरा, श्री नागर ब्राह्मण हाटकेश्वर मंदिर न्यास हरसिद्धि पाल एवं हाटकेश्वर धाम मित्र मंडल की सक्रिय भागीदारी रहेगी। पदाधिकारियों ने समाजजनों से समारोह में उपस्थित होकर नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान करने की अपील की है।

एक नजर ▸ राष्ट्रगान के साथ शुरू हुई जनदर्शन यात्रा, पुष्पवर्षा कर हुआ भव्य स्वागत

नगर भ्रमण पर निकले भगवान श्री चित्रगुप्त, दर्शन कर निहाल हुए भक्त

उज्जैन। वैशाख शुक्ल गंगा सप्तमी के अवसर पर कायस्थ समाज के कुल आराध्य भगवान श्री चित्रगुप्त का प्राकट्य दिवस शहर में अपार श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। सुबह शहर के विभिन्न चित्रगुप्त मंदिरों में हवन, पूजन और विशेष अनुष्ठान संपन्न हुए। इसके पश्चात शाम को भगवान श्री चित्रगुप्त रथ में विराजित होकर नगर भ्रमण पर निकले। जनदर्शन यात्रा में भगवान के दर्शन पाकर भक्त निहाल हो गए और शहरवासियों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर यात्रा का भव्य स्वागत किया।

उज्जैन कायस्थ समाज के अध्यक्ष दिनेश श्रीवास्तव ने बताया कि यह भगवान श्री चित्रगुप्त जनदर्शन यात्रा का लगातार नौवां वर्ष था। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा मध्यभारत एवं उज्जैन कायस्थ समाज की सभी संस्थाओं के सहयोग से यह यात्रा ग्रांड होटल फ्रीगंज से प्रारंभ हुई। शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए यात्रा शिप्रा तट स्थित श्री चित्रगुप्त घाट (छोटे पुल) पर पहुंची। जहां महाआरती के साथ इसका समापन हुआ। प्राणी मात्र के कर्मों का लेखा-जोखा रखने वाले और कर्मों के अनुरूप फल देने वाले धर्मराज भगवान चित्रगुप्त के रथ के साथ शहर के सभी चित्रगुप्त मंदिरों की तस्वीरें भी यात्रा में शामिल की गईं, जिससे आयोजन की भव्यता और बढ़ गई।

राष्ट्रध्वज और केसरिया पताकाओं के साथ निकली यात्रा: जनदर्शन यात्रा की शुरुआत सर्वप्रथम राष्ट्रगान गाकर की गई। इसके बाद वंदे मातरम और भारत माता की जय के जयकारों के साथ यात्रा आगे बढ़ी। यात्रा में सबसे आगे महिलाएं केसरिया पताकाएं और राष्ट्रध्वज लेकर चल रही थीं। केसरिया साड़ी पहने मातृशक्ति ने राष्ट्र सर्वोपरि का सार्थक संदेश दिया। मार्ग में विभिन्न सामाजिक संस्थाओं द्वारा मंच लगाकर इस भव्य यात्रा का आत्मीय स्वागत किया गया।

ईंधन और पर्यावरण बचाने का लिया संकल्प: यात्रा के दौरान मातृशक्ति ने देश को आत्मनिर्भर बनाने तथा पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दिया। अनुपमा श्रीवास्तव ने ईंधन संरक्षण पर जोर देते हुए लोगों से ऊर्जा बचाने के लिए अधिक से अधिक इलेक्ट्रॉनिक (इलेक्ट्रिक) वाहनों का उपयोग करने की अपील की। इस दौरान मातृशक्ति ने देश में ऊर्जा, जल और पर्यावरण की रक्षा का विशेष संकल्प लिया।

संयुक्त परिवार का संदेश

संयुक्त परिवारों की अवधारणा को बढ़ावा देने के लिए कायस्थ समाज द्वारा प्राकट्य दिवस पर एक अनूठी पहल की गई। इस दिन समाज के घरों में चूल्हा नहीं जला। घर-घर से अनाज एकत्रित कर श्री चित्रगुप्त घाट पर विशाल कुटुंब रसोई बनाई गई। यात्रा के समापन पर महाआरती के पश्चात सभी समाजजनों ने एक जाजम पर बैठकर सहभोज किया और सामाजिक एकता का परिचय दिया। इस पूरे आयोजन में समाज के वरिष्ठजनों, महिलाओं और युवाओं की सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम में मोतीलाल श्रीवास्तव, उर्मिला श्रीवास्तव, अनुपमा श्रीवास्तव, डॉ. सोनल सिंह, डॉ. अजय खरे, डॉ. जितेंद्र भटनागर, डॉ. रविन्द्र श्रीवास्तव, युधिष्ठिर कुलश्रेष्ठ, सुभाष श्रीवास्तव, रूपकिशोर कुलश्रेष्ठ, राजभूषण श्रीवास्तव, अतुल सक्सेना, संजय श्रीवास्तव, चेतन श्रीवास्तव, आशीष अष्ठाना, नेहा श्रीवास्तव, शशि श्रीवास्तव, रजनी कुलश्रेष्ठ, पिंकी श्रीवास्तव, अंगद श्रीवास्तव, महत्व श्रीवास्तव और विशेष श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।